STUDY MATERIAL

B.A. I (Hons): Paper - II

Topic - Clinical Types of mental Deficiency

By — BAKHTEYAR FATMI

Scanned with CamScanner

मानसिक दुर्बलता के नैदानिक प्रकार
Clinical Types of Mental Deficiency

(1) Mongolism

mongol ऐसे mentally deficient व्यक्ति को कहा जाता है जिनमें मानसिक न्यूनता एवं फीके की मात्रा साफ तौर से सामान्य लोगों से अधिक होती है। यह एक सर्वविदित प्रचलित clinical type है, जिसे सर्वप्रथम 1866 में Down ने निकाला। इन्हें mongol इसलिए कहा जाता है कि इनकी शक्ल mongol जाति के लोगों से मिलती-जुलती होती है। इनकी आंखें बादाम के शक्ल की तीखी या टेढ़ी होती है। BENDA तथा BOGGS ने अपने अध्ययनों के बाद पता लगाया कि अमेरिकन परिवारों में लगभग रोज 23 mongols पैदा होते हैं। ऐसे deficient लोगों को इनकी छोटी उम्र में ही पहचान लिया जाता है। ये कद में नाटे होते हैं, इनका सर छोटा और गोल होता है। इनकी नाक चपटी और छोटी होती है। इनके कान देखने में भद्दे होते हैं, इनके होठ पतले और दरारनुमा होते हैं। इसके बिल्कुल मिलाकर इनकी शारीरिक बनावट बड़ी ही बेढंगी होती है। इनका motor coordination भी बहुत पिछड़ा होता है। इनकी उंगलियों के निशान भी विचित्र होते हैं, जिसमें "L" आकार के गढ़े जहाँ-तहाँ नजर आते हैं। इनका voice बहुत गहरा होता है। फलतः इससे इनका diagnosis करना आसान हो जाता है।

mongols को खास तौर से श्वांस-प्रश्वास सम्बन्धित बीमारी, पायन तथा रक्त-संचालन से सम्बन्धित बीमारियाँ अधिक होने की संभावना होती है। HEBER ने देखा कि लगभग 10% cases में congenital heart defects पाए जाते हैं। कतिपय इन उपद्रवों के कारण इनका life span बहुत छोटा होता है। फिर भी, आधुनिक 'antibiotic' दवाओं तथा समुचित चिकित्सा विशेषज्ञता के द्वारा इनके जीवन काल को कुछ बढ़ाया जा सकता है। कुछ ऐसी त्रुटियों और सीमाओं के बावजूद ऐसे लोग अपनी मदद करना, स्वीकृत सामाजिक व्यवहार करना, तथा routine manual skills करना सीख सकते हैं। इनका सामाजिक अभियोजन अक्सर इस बात से पड़ जाता है कि स्वभाव से यह स्नेही तथा docile होते हैं। COUNSEL ने अपने अध्ययनों से इस बात का समर्थन किया।

Scanned with CamScanner

परन्तु इसका मुख्य कारण गुणसूत्र (chromosomes) की संख्या में असामान्यता माना जाता है। मंगोलिज्म में 47 गुणसूत्र पाये जाते हैं जबकि सामान्य तौर पर 46 गुणसूत्र ही काम करते हैं। इसका कारण अब तक समझ में नहीं आ सका है। गुणसूत्रों की भिन्नता का जो भी कारण हो, इनका अन्तिम परिणाम व्यक्ति का बिखरा विकास होता है। एक बार रोग हो जाने पर मंगोलिज्म की बीमारी को बदला नहीं जा सकता। न तो इसका कोई effective treatment ही मिलता है और न तो रोकने के उपाय ही। फिर भी BENDA ने सुझाव दिया है कि chromosomes के अध्ययन के द्वारा पहले कम से कम ऐसे parents को तो पहचाना ही जा सकता है, जो दूसरी बार mongol बच्चा पैदा करने जा रहे हों। इस तरह यह विधि कुछ हद तक कामयाब हो सकती है।

② Cretinism or (Thyroid Deficiency)

Cretinism मानसिक न्यूनता का एक ऐसा उदाहरण है, जिसका जन्म endocrine ~~gland~~ imbalance के ही कारण होता है। यहाँ या तो thyroid gland का विकास समुचित रूप से नहीं हुआ होता है अथवा किसी कारणवश इसमें कोई खराबी आ जाती है। इस हालत में thyroid secretion की गड़बड़ी (कमी) cretinism का कारण बनती है। इस कमी के कारण मस्तिष्क में जो damage होता है, उसे शिशु के गर्भावस्था में ही स्पष्ट रूप से देख लिया जा सकता है।

मध्य स्कॉटलैण्ड की घाटियों में तथा विश्व के अन्य क्षेत्रों में जहाँ की मिट्टी में 'Iodine' नामक तत्व की कमी रहती है और स्वभाविक रूप से खाद्य-पदार्थ में भी इसकी कमी हो जाती है, cretinism सबसे ज़्यादा यहाँ पनपता है। गर्भावती माताएँ इन इलाकों में ऐसे बच्चों को जन्म देती थीं, जिनके thyroid दोषपूर्ण होते थे। चूंकि इन

वंशानुगत रूप से mongolism का कारण दोष-पूर्ण heredity माना जाता है, यद्यपि इनमें glandular imbalance का कारण भी अधिक देखा जाता है। कुछ विद्वान chromosomes की संख्या की भिन्नता को mongolism के जन्म का कारण मानते हैं। ROBINSON ने अपने अध्ययनों में देखा कि 95% mongols के 47 chromosomes मिले हैं जबकि साधारण तौर पर 46 chromosomes ही काम करते हैं। इसका कारण अब तक समझ में नहीं आ सका है। chromosomes की भिन्नता का जो भी कारण हो, इनका अन्तिम परिणाम व्यक्ति का विकृत निवास होता है। एक बार रोग हो जाने पर mongolism को दूसरों की कोई शक्ति बदल नहीं सकती। न तो इनका कोई effective treatment ही मिलता है और न तो रोकने के उपाय ही। फिर MIBENDA ने सुझाव दिया है कि chromosomes के अध्ययन के द्वारा पर कम से कम ऐसे बच्चों को तो पहचाना ही जा सकता है, जो दूसरी बार mongol बच्चा पैदा करने जा रहे हों। इस तरह यह विधि कुछ तक तक कामयाब हो सकती है।

② Cretinism or (Thyroid Deficiency)

Cretinism मानसिक न्यूनता का एक ऐसा उदाहरण है, जिसका जन्म endocrine ~~gland~~ imbalance के ही कारण होता है। यहाँ या तो thyroid gland का विकास समुचित रूप से नहीं हुआ होता है अथवा किसी कारणवश इनमें कोई खराबी आ जाती है। इस हालत में thyroid secretion की गड़बड़ी (कमी) cretinism का कारण बनती है। इस कमी के कारण मस्तिष्क में जो damage होता है, उसे शिशु के गर्भावस्था में ही स्पष्ट रूप से देख लिया जा सकता है।

मध्य स्कॉटलैण्ड की घाटियों में तथा विश्व के अन्य क्षेत्रों में जहाँ की मिट्टी में 'Iodine' नामक तत्व की कमी रहती है और स्वभावतः रूप से खाद्य-पदार्थ में भी इसकी कमी हो जाती है, cretinism सबसे ज्यादा यहाँ पनपता है। गर्भावती माताएँ इन इलाकों में ऐसे बच्चों को जन्म देती थीं, जिनके thyroid दोषपूर्ण होते थे। चूंकि इन

के प्रायोगिक चिकित्सा आवश्यक होती है। जन्म के प्रथम एक साल तक कोई इलाज न किया जाए तो मृत्यु सदा के लिए आती रहती है। मगर पुराने रोगों में hypnotic treatments से कुछ लाभ होता है। लेकिन इस रोग के फलस्वरूप जो मुख्यतः nervous system तथा सामान्य शारीरिक विकास पर पड़ता है, उसे पूरा नहीं किया जा सकता।

③ Microcephaly

microcephaly का अर्थ "small headedness" होता है। यह ऐसे मानसिक न्यूनता व्यक्ति का बोध कराता है, जिनमें पैदाईश brain के अवरुद्ध विकास से फलस्वरूप होती है। एक अध्ययन में GREENFIELD, WOLFSON आदि ने बतलाया कि ऐसे रोगियों के brain का post-mortem करने पर पता चला कि इनका विकास गर्भावस्था के चौथे या पाँचवे महीने से ही रुका होता है। मगर ऐसी घटना rare cases में ही देखी जाती है।

microcephaly व्यक्ति में सर्वाधिक स्पष्ट विशेषता उसका छोटा सर होता है, जो शायद ही 17" के घेरे से कभी बड़ा होता है। जबकि एक सामान्य व्यक्ति का सर लगभग 22" का होता है। PENROSE ने भी ऐसे रोगियों को बहुत छोटे कद का बतलाया है। मगर इनमें मांसपेशियाँ और ज्ञानेन्द्रियाँ लगभग सामान्य होती हैं। अपनी इन विशेषताओं के बावजूद ऐसे रोगी एक दूसरे से आपस में ही देखने सुनने में भिन्न होते हैं। हालांकि इनमें पतली टुड्डी आदि होने की प्रवृत्ति पाई जाती है। microcephalics स्वभावतः बहुत ज्यादा सक्रिय तथा restless होते हैं। मगर ये good natured होते हैं और इनके साथ adjustment कायम किया जा सकता है। BRANDON ने फिर भी ऐसे लोगों में कुछ निश्चित अनुरूप गुणों को ढूंढ सकने में असमर्थता दिखायी है। ऐसे रोगी घोर मानसिक खराबी से ग्रस्त रहते हैं और अधिकांश का तो भाषा विकास हीनहीं हुआ होता। इनकी मानसिक क्षमता भी बहुत सीमित होती है।

इस रोग के बहुत से कारण हो सकते हैं। HEBER and KOCH आदि विद्वानों ने देखा कि microcephaly का प्रमुख कारण वह खास glucose होता है, जो एक

heredity से दूसरी heredity में आते रहते हैं। हालांकि इस तरह के hereditary defects का नियंत्रित करना आसान काम नहीं समझा जा सकता है, फिर इसके कारण बहुतेरे ऐसे [illegible] हैं जिनके फलस्वरूप [illegible] पैदा तो जाता है। इस क्रम में गर्भावस्था में लगा धूप का रेज, bomb के दुष्प्रभाव इत्यादि प्रमुख हैं। एक अनुमान में PLUMMER ने देखा कि हिरोशिमा पर गिराए गए atom bomb के दुष्प्रभाव के परिणाम में जितनी मात्राएँ (Pygmy) आईं, उनमें आधे से कम इस रोग के शिकार हुए। फिर COVIE ने भी कुछ कारणों का उल्लेख किया है। हालांकि उसने microcephaly शब्द के मौलिक अर्थ को ही बदल दिया है। उसके अनुसार अफ्रीका के जंगलों में कुछ ऐसे Pygmy-ए लोग रहते हैं, जिनके सर तो छोटे होते हैं मगर वह इस रोग के रोगी नहीं होते। फिर, बहुत सी जगहों में सर के आकार में बहुत तरह के उतार-चढ़ाव को भी सामान्यता के दायरे में ही गिना जाता है।

इन आलोचनाओं में variability की मात्रा जो भी हो, microcephaly एक ऐसा प्रकार है जिसकी कुछ खास विशेषताएँ होती हैं। भले ही इसके कुछ खास कारण अभी तक नहीं जाने गए हैं। अब तक इनके इलाज की कोई कामयाब पद्धति विकसित नहीं हो पाई है। संक्षेप में, अभी यह विषय [illegible] की अहमियत रखता है।

④ Hydrocephaly

यह अपेक्षाकृत कम चर्चित होने वाला retardation है। Brain खोपड़ी के भीतर cerebro-spinal नामक तरल पदार्थ के असमान्य मात्रा में संचित हो जाने से यह रोग होता है। कारण इस के brain के [illegible] enlarge हो जाते हैं और खोपड़ी बड़ी हो जाती है। इस रोग के hereditary cases में प्रायः यह होता है कि birth के समय या तुरन्त बाद सर का आकार बढ़ने लग जाता है। WORTIS (1973) ने इसका कारण खास तरल पदार्थ के निर्माण और अवशोषण की त्रुटि बतलाया। पुराने रोगियों में प्रधान लक्षण चेहरे और शेष शरीर के अनुपात में सर के ऊपरी भाग का बुरी तरह बड़ा हो जाना होता है। प्रत्यक्षतः सर बड़ा होने

Scanned with CamScanner

से व्यक्ति एक super genius जैसा व्यवहार भी होता है। skull के बढ़ने से brain पर destructive pressure भी बढ़ने लगता है, जिससे brain damage होता है और intelligence में loss, visual एवं sensory capacity में कमी इत्यादि प्रकट होती है। इन दोनों शल्य-क्रिया द्वारा एवं early diagnosis तथा treatment के द्वारा brain damage को अत्यधिक गंभीर होने से पहले रोक लिया जाता है।

(6) Phenyl Ketonuria (PKU)

यह metabolic गड़बड़ी का एक अच्छा उदाहरण है; जहाँ तक के पश्चिमी में amerikan से प्राप्त data के अनुसार करीब 25000 जन्में बच्चों में केवल 1 में ही इस रोग से ग्रस्त होने की संभावना रहती है। SCHILD ने यह देखा कि mental hospital में भर्ती हुए retarded में PKU की संख्या 100 में एक होती है। इस रोग में child जन्म के समय तो normal दिखता है, पर तुरत ही एक खास प्रकार के enzyme की कमी का शिकार हो जाता है। फलतः phenyl वाले भोजन amino acid नामक तत्व में टूट नहीं पाते, जो विकास के लिए सबसे ज्यादा responsible है। जब यह रक्त की सीमा से बढ़ जाती है, तो रक्त में phenylalanine नामक तत्व बढ़ने लगता है जिससे brain damage प्रकट होता है। जन्म के प्रथम वर्ष के भीतर यह faults प्रकट होने लगते हैं। साथ ही उल्टी होना, शरीर से खास तरह का दुर्गन्ध निकलना, eczema तथा कभी-कभी seizure भी देखी जाती है। गति संबंधी असंतुलन और स्नायु-ग्रंथियों के साथ आँख, चमड़े तथा बाल भी पीले नजर आते हैं। सबसे पहले 1934 में नॉर्वे के Dr. ASBZORN ने एक ऐसी ही बच्ची का case report किया। ज्यादातर PKU के पुराने रोगी और mental retardation के symptom दिखलाते हैं।

आज PKU के आरम्भिक जाँच की कई विधियाँ निकल चुकी हैं और treatment के लिए संतुलित भोजन और अन्य related treatments भी आ गई हैं। child के 6 महीना के age से सामान्य या lower level पर रखा जाने लगा है। पता चला है कि limited phenylalanine लेने के बावजूद और दूसरे treatments

के बाद भी बहुत कम बच्चे ही इस रोग के symptoms दिखाते हैं। कोई भी बच्चा जन्म से ही PKU inherit करे, इसके लिए दोनों parents में वैसे genes का रहना ज़रूरी है। अगर किसी family में यदि एक को PKU है तो यह ज़रूरी है कि परिवार के अन्य बच्चों की दाखी-मांगी जांच कर उन्हें अलग कर लिया जाए।

Mental deficiency के जिन प्रकारों का हमने वर्णन किया है, वे सभी प्रमुख हैं।

X X

Thanks